यूएस ओपन 2026 : शेल्टन इतिहास रचने से एक कदम दूर, फाइनल में ज्वेरेव से होगी खिताबी जंग

नई दिल्ली

बेन शेल्टन अब यूएस ओपन 2026 का खिताब जीतकर इतिहास रचने से सिर्फ एक जीत दूर हैं। अमेरिकी टेनिस स्टार शेल्टन का फाइनल में सामना शीर्ष वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा। अगर शेल्टन यह मुकाबला जीतते हैं, तो वह 23 साल बाद यूएस ओपन पुरुष एकल का खिताब जीतने वाले पहले अमेरिकी खिलाड़ी बन जाएंगे।

शेल्टन ने सेमीफाइनल में हमवतन फ्रांसेस टियाफो को हराकर फाइनल में जगह बनाई। अब पहली ग्रैंड स्लैम ट्राफी उनके बेहद करीब है और शेल्टन इस मौके को लेकर पूरी तरह उत्साहित हैं।

जियोस्टार की ओर से साझा किए गए एक इंटरव्यू में शेल्टन ने फाइनल को लेकर कहा कि मैं पूरी तरह तैयार हूं। मैं कोर्ट पर अपना सब कुछ झोंक दूंगा। जीतूं या हारूं, मुझे अपने प्रदर्शन और अब तक किए गए सफर पर गर्व रहेगा। लेकिन यही मेरा सपना है। मैं इसी के लिए खेल रहा हूं। सपना अब मेरे सामने है और मैं निश्चित रूप से अपनी कोशिश में कोई कमी नहीं छोड़ूंगा।

उन्होंने आगे कहा कि वह तत्काल सफलता के बजाय खुद को लगातार बेहतर बनाने पर विश्वास करते हैं और एक बेहतर टेनिस खिलाड़ी बनने के लिए अभी उन्हें काफी आगे जाना है। हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि अब लक्ष्य सिर्फ एक मैच दूर है और वह फाइनल में अपना सब कुछ देने के लिए तैयार हैं।

अमेरिकी टेनिस के लिए ऐतिहासिक मौका - शेल्टन की फाइनल तक पहुंचने की उपलब्धि पहले ही अमेरिकी टेनिस के लिए खास बन चुकी है। 2003 में एंडी राडिक के यूएस ओपन जीतने के बाद से कोई भी अमेरिकी पुरुष खिलाड़ी इस ग्रैंड स्लैम का पुरुष एकल खिताब नहीं जीत सका है। इसके अलावा शेल्टन यूएस ओपन के फाइनल में पहुंचने वाले आर्थर ऐश के बाद पहले अश्वेत अमेरिकी पुरुष खिलाड़ी भी बन गए हैं।

अपनी उपलब्धि के महत्व पर बात करते हुए शेल्टन ने अपने परिवार और उन सभी लोगों को श्रेय दिया, जिन्होंने उनके करियर में उनका साथ दिया।

उन्होंने कहा कि यह मेरे लिए सब कुछ है। बहुत से लोगों ने मेरे लिए बहुत कुछ त्याग किया है, ताकि मैं आज इस स्थिति में पहुंच सकूं। जब मैं इस बारे में सोचता हूं तो मेरे मन में हमेशा उन लोगों के लिए आभार रहता है, जिन्होंने मेरा साथ दिया और मेरे पीछे खड़े रहे। शेल्टन ने कहा कि इतिहास का हिस्सा बनना शानदार है, लेकिन उनका काम अभी पूरा नहीं हुआ है।

न्यूज ब्रीफ

इंग्लैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ क्रिकेट सीरीज 3-0 से जीती, एक भी खिलाड़ी शतक नहीं लगा पाया

एजबेस्टन । इंग्लैंड ने यहां हुए तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में भी मेहमान टीम पाकिस्तान को हराकर 3-0 से सीरीज जीती है। दोनो ही टीम के क्रिकेट इतिहास में ये पहली बार है जब सीरीज में एक भी खिलाड़ी शतक नहीं लगा पाया। इस सीरीज में कुल 20 अर्धशतक लगे पर कोई भी बल्लेबाज 100 रनों तक नहीं पहुंच पाया, यानी किसी भी खिलाड़ी ने शतक नहीं जड़ा। ऐसा क्रिकेट इतिहास में पहली बार हुआ है। इससे पहले 1993 में पाकिस्तान और जिम्बाब्वे के बीच हुई टेस्ट सीरीज में भी कोई बल्लेबाज शतक नहीं लगा पाया था। तब भी 18 अर्धशतक लगे थे, मगर कोई भी बल्लेबाज शतक नहीं लगा पाया था। इसी प्रकार सल 1969 में भारत और न्यूजीलैंड के बीच हुई टेस्ट सीरीज में भी नौ अर्धशतक लगे थे पर शतक एक भी नहीं लगा थ। यह भी हैरानी की बात है कि टेस्ट क्रिकेट में बिना शतक के सबसे अधिक अर्धशतकों वाली शीर्ष-5 सीरीज की सूची में पाकिस्तान का नाम तीन बार दर्ज है। तीन मैचों की इस टेस्ट सीरीज के अंतिम मुकाबले में पाक टीम नौवें नंबर के बल्लेबाज रजाउल्लाह खान के कारण मैच को चौथे दिन तक खींचने में सफल रहा पर हार से बच नहीं पाया। इंग्लैंड के कप्तान जो रूट के नाबाद अर्धशतक 62 रनों और जार्डन कार्क्स के नाबाद 59 रनों की सहायता से मेजबानों ने 130 रन के छोटे से लक्ष्य को आसानी से हासिल कर लिया। इस प्रभावशाली जीत के साथ, इंग्लैंड ने एक दिन शेष रहते हुए सीरीज में 3-0 से बड़ी जीत हासिल की है। यह साल 2024 के बाद इंग्लैंड की पहली तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में पहली क्लीन स्वीप थी, इससे पहले उसने वेस्टइंडीज के खिलाफ ये कारनामा किया था।

वनडे क्रिकेट में रोहित शर्मा का अटूट 264 का विश्व कीर्तिमान

नई दिल्ली। वनडे क्रिकेट, जो कभी धैर्य और संभलकर खेलने वाला फार्मेट माना जाता था, अब बल्लेबाजों की आक्रामक शैली और चौके-छक्कों की आतिशबाजी से परिभाषित होता है। जब कोई बल्लेबाज क्रीज पर टिककर व्यक्तिगत रूप से 200 से अधिक रनों का आंकड़ा पार करता है, तो वह केवल स्कोरबोर्ड को नहीं बढ़ाता, बल्कि विपक्षी गेंदबाजों के हौसले पस्त कर देता है। इतिहास के ऐसे ही पांच सबसे बड़े व्यक्तिगत वनडे स्कोरों ने क्रिकेट जगत में खलबली मचा दी थी और कई रिकार्ड बनाए। इस सूची में सबसे पहला और अविश्वसनीय नाम भारत के हिटमैन रोहित शर्मा का आता है। कोलकाता के ऐतिहासिक ईडन गार्डन्स में 13 नवंबर 2014 का दिन वनडे क्रिकेट के सुनहरे अक्षरों में दर्ज हो गया, जब श्रीलंका के खिलाफ रोहित शर्मा ने 173 गेंदों में रिकार्ड 264 रनों की ऐतिहासिक पारी खेली।

सीएसके के नए हेड कोच पर जल्द फैसला, हेमांग बदानी सबसे मजबूत दावेदार

नई दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स के नए हेड कोच को लेकर चल रहा सस्पेंस अब जल्द खत्म हो सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक अगले एक से दो सप्ताह में फ्रेंचाइजी नए कोच के नाम की आधिकारिक घोषणा कर सकती है। पांच बार की आईपीएल चैंपियन टीम ने लंबे समय तक कोच रहे स्टीफन फ्लेमिंग से अलग होने के बाद नए नेतृत्व की तलाश शुरू कर दी है। इस दौड़ में पूर्व भारतीय बल्लेबाज हेमांग बदानी का नाम सबसे मजबूत दावेदार के तौर पर सामने आया है। चेन्नई सुपर किंग्स ने लगातार तीन सत्र प्लेआफ में जगह बनाने में नाकाम रहने के बाद अपने कोचिंग ढांचे में बदलाव का फैसला किया। स्टीफन फ्लेमिंग के साथ लंबे समय से चला आ रहा सफल दौर समाप्त होने के बाद टीम अब नए नजरिए के साथ आगे बढ़ना चाहती है। टीम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रबंध निदेशक कासी विश्वनाथन ने भी संकेत दिया था कि नए हेड कोच की तलाश की जिम्मेदारी महेंद्र सिंह धोनी को सौंपी गई है। बताया जा रहा है कि धोनी नए कोच के रूप में किसी भारतीय को प्राथमिकता दे रहे हैं। उनका मानना है कि आईपीएल में घरेलू खिलाड़ियों और भारतीय प्रतिभाओं की भूमिका लगातार बढ़ रही है। ऐसे में भारतीय परिस्थितियों, खिलाड़ियों और घरेलू क्रिकेट की बेहतर समझ रखने वाला कोच टीम के लिए ज्यादा प्रभावी हो सकता है। हेमांग बदानी के पक्ष में उनका कोचिंग अनुभव और घरेलू परिस्थितियों की जानकारी सबसे बड़ी वजह मानी जा रही है। वह दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच रह चुके हैं। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका की एसए20, संयुक्त अरब अमीरात की आईएलटी20 और श्रीलंका की एलपीएल जैसी टी20 लीगों में भी कोचिंग की जिम्मेदारी निभा चुके हैं।

अभिषेक ने 32 गेंद में लगाए 7 चौके और 7 छक्के, ईशान ने बनाए 42 रन

टी-20 में अभिषेक और ईशान की साझेदारी से भारत की शानदार जीत

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: भारत ने पहले टी-20 मुकाबले में अफगानिस्तान को सात विकेट से हरा दिया। अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में आठ विकेट पर 156 रन बनाए। भारत ने 157 रन का लक्ष्य 13.4 ओवर में तीन विकेट खोकर हासिल कर लिया। अभिषेक शर्मा ने 32 गेंद में 82 रन की तूफानी पारी खेली। उन्होंने सात चौके और सात छक्के लगाए। भारत की पारी में अभिषेक शर्मा और ईशान किशन ने दूसरे विकेट के लिए 121 रन की साझेदारी की। अभिषेक 10.6 ओवर में 82 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद ईशान किशन भी 12.4 ओवर में 42 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। ईशान ने अपनी पारी में पांच चौके और एक छक्का लगाया। अंत में तिलक वर्मा के शॉट और क्षेत्ररक्षक के गलत थ्रो से मिले अतिरिक्त रन के साथ भारत ने लक्ष्य हासिल कर लिया। इससे पहले अफगानिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही। जसप्रीत बुमराह ने रहमानुल्लाह गुरबाज को आउट कर टी-20 क्रिकेट में अपने 350 विकेट पूरे किए। इसके बाद इब्राहिम जादरान 11 रन बनाकर रन आउट हुए। सेदिकुल्लाह अटल 13, गुलबदीन नायब छह और दरविश रसूली दो रन बनाकर आउट हुए। अफगानिस्तान के लिए अजमतुल्लाह उमरजई ने नाबाद 64 रन बनाए। उन्होंने 44 गेंद की पारी में चार चौके और चार छक्के लगाए। मोहम्मद नबी ने 27 गेंद में 33 रन बनाए। दोनों के बीच अर्धशतकीय साझेदारी हुई। अर्शदीप सिंह भारत के सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने चार ओवर में 19 रन देकर तीन विकेट लिए। वरुण चक्रवर्ती ने भी एक विकेट लिया। मैच से पहले अरुण जेटली स्टेडियम में पहली बार वंदे मातरम् गाया गया।

महिला एशिया कप के फाइनल में भारत ने श्रीलंका को 72 रन से हराया

दुबई, एजेंसी: भारत ने महिला एशिया कप का खिताब आठवीं बार अपने नाम कर लिया। दुबई में खेले गए फाइनल में भारत ने श्रीलंका को 72 रन से हराया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में पांच विकेट पर 183 रन बनाए। जवाब में श्रीलंका की टीम 20 ओवर में 111 रन पर ऑलआउट हो गई। भारत की शुरुआत शानदार रही। शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने पहले विकेट के लिए 129 रन की साझेदारी की। शेफाली ने 39 गेंद में 68 रन बनाए। उन्होंने नौ चौके और दो छक्के लगाए। उन्होंने 24 गेंद में अर्धशतक पूरा किया, जो महिला एशिया कप का सबसे तेज अर्धशतक रहा। स्मृति मंधाना ने 59 रन की पारी खेली। उन्होंने पांच चौके और तीन छक्के लगाए। स्मृति 14वें ओवर में रन आउट हुईं। हरमनप्रीत कौर ने 14 रन बनाए। पारी के अंतिम ओवर में गुणालन कमालिनी ने छक्का लगाकर भारत का स्कोर 183 रन तक पहुंचाया। श्रीलंका को जीत के लिए 184 रन का लक्ष्य मिला। लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत खराब रही। क्रांति गौड़ ने पहले ही ओवर में इमेशा दुलानी को बोल्ड कर भारत को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद इब्राहिम जादरान के रन आउट होने के बाद भारतीय गेंदबाजों ने दबाव बनाए रखा। दीप्ति शर्मा ने श्रीलंकाई कप्तान चमारी अटापट्टु और विश्मी गुणरत्ने को आउट किया। श्री चरणी ने शानदार गेंदबाजी करते हुए चार विकेट लिए। उन्होंने कवीशा दिलहारी, नीलाक्षी डी सिल्वा और सुगंधिका कुमारी समेत चार बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा। दीप्ति शर्मा ने तीन विकेट लिए। श्रीलंका की ओर से नीलाक्षी डी सिल्वा ने 22 और विश्मी गुणरत्ने ने 20 रन बनाए। भारत और श्रीलंका लगातार दूसरे महिला एशिया कप के फाइनल में आमने-सामने थे। 2024 के फाइनल में श्रीलंका ने भारत को आठ विकेट से हराकर पहली बार खिताब जीता था। इस जीत के साथ भारत ने एशिया कप में अपना आठवां खिताब हासिल किया। भारत महिला एशिया कप के हर संस्करण के फाइनल में पहुंचा है। यह उसका 10वां फाइनल था।

- भारत ने श्रीलंका को 111 रन पर समेटकर आठवीं बार जीता एशिया कप

हाकी इंडिया के महानिदेशक आरके श्रीवास्तव निलंबित, ड्यूटी में लापरवाही का आरोप

नई दिल्ली

हाकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने संगठन के महानिदेशक कमांडर आरके श्रीवास्तव के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू करते हुए उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया है। साथ ही उन्हें तत्काल प्रभाव से महानिदेशक के पद से जुड़े सभी दायित्व और अधिकारों का इस्तेमाल बंद करने का निर्देश दिया गया है।

कारण बताओ नोटिस में श्रीवास्तव पर कर्तव्य में लापरवाही और जानबूझकर निर्देशों की अवहेलना समेत कई आरोप लगाए गए हैं। इनमें विश्व कप से पहले बिना पूर्व अनुमति राष्ट्रीय टीम की जर्सी के रंगों में बदलाव का फैसला प्रमुख है।

नोटिस के अनुसार, टिर्की के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद श्रीवास्तव के विश्व कप के लिए यात्रा करने को लेकर भी आपत्ति जताई गई है। अध्यक्ष कार्यालय ने उनके स्थान पर पूर्व खिलाड़ियों सुबद्रा प्रधान, रानी रामपाल और सरदार सिंह को चयनकर्ता एवं जूनियर कोच के रूप में यात्रा की मंजूरी दी थी, लेकिन नोटिस में कहा गया है कि उन्हें इसकी जानकारी नहीं दी गई।

श्रीवास्तव पर हाकी इंडिया लीग से जुड़े फ्रेंचाइजी समन्वय और प्राथमिकता वाले कार्यों में भी कथित तौर पर मनमाने फैसले लेने का आरोप है। इसके अलावा अनुबंधित जनसंपर्क एजेंसी के खिलाफ निर्देशित अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं करने और दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान खिलाड़ियों तथा मुख्य कोच क्रेग फुल्टन से जुड़े कथित दुर्व्यवहार की शिकायतों पर कार्रवाई का प्रमाण उपलब्ध नहीं कराने जैसे आरोप भी लगाए गए हैं।

नोटिस में विक्रम पाल से जुड़े आरोपों पर आंतरिक/पीओएसएच समिति की कार्यवाही और रिपोर्ट रिकार्ड में उपलब्ध न होने तथा एफआईएच, एएचएफ और राष्ट्रीय महासंघों से प्राप्त कुछ संचार को रोके जाने का भी उल्लेख है।

हाकी इंडिया ने कहा है कि आगे की कार्रवाई संस्था के उपनियमों के अनुसार की जाएगी। श्रीवास्तव को सभी आधिकारिक रिकार्ड, दस्तावेज, फाइलें, एक्सेस क्रेडेंशियल, संपत्तियां और लंबित मामलों का परिचालन प्रभार अध्यक्ष कार्यालय द्वारा नामित अधिकारी को सौंपने का निर्देश दिया गया है।

टेस्ट क्रिकेट के शर्मनाक रिकार्ड: बांग्लादेश का 21 हार का लंबा सिलसिला

नई दिल्ली। टेस्ट क्रिकेट का इतिहास जितना गौरवशाली है, उतना ही यह अप्रत्याशित और निर्मम भी रहा है, जहाँ जीत के बड़े-बड़े कीर्तिमानों के साथ-साथ लगातार हार का एक ऐसा सिलसिला भी दर्ज है जो टीमों के मनोबल को तोड़ देता है। टेस्ट क्रिकेट में लगातार सबसे ज्यादा मुकाबले हारने का शर्मनाक रिकार्ड बांग्लादेश के नाम दर्ज है। नवंबर 2001 से फरवरी 2004 के बीच, बांग्लादेशी क्रिकेट टीम एक ऐसे बुरे दौर से गुजरी जहाँ उसे लगातार 21 टेस्ट मैचों में हार का सामना करना पड़ा। यह सिलसिला 15 नवंबर 2001 को चटगांव में जिम्बाब्वे के खिलाफ 8 विकेट की हार से शुरू हुआ था और 19 फरवरी 2004 को हरारे में जिम्बाब्वे के हाथों ही 183 रन की हार के साथ खत्म हुआ, जिसने इतिहास का सबसे लंबा पराजय-सिलसिला रच दिया। इस दौरान बांग्लादेश को न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, श्रीलंका, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज, आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड जैसी टीमों से लगातार करारी शिकस्त झेलनी पड़ी। जिम्बाब्वे की टीम भी दो अलग-अलग मौकों पर हार के भंवर में फंसी। उनका पहला दौर दिसंबर 2001 से जून 2003 के बीच आया, जब टीम को लगातार 11 टेस्ट मैचों में हार मिली। इस दौरान उन्हें श्रीलंका, भारत, पाकिस्तान और इंग्लैंड जैसी टीमों ने मात दी।

सीपीएल : बारबाडोस ट्राइडेंट्स ने आखिरी गेंद पर जीता मुकाबला, प्लेआफ में बनाई जगह

ब्रिजटाउन

बारबाडोस ट्राइडेंट्स ने सैड्रैक डेसकार्टे के शानदार अर्धशतक और गुडाकेश मोती के आलराउंड प्रदर्शन के दम पर केंसिंग्टन ओवल में खेले गए कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) के 34वें मुकाबले में जमैका किंग्समेन को आखिरी गेंद पर हराकर रोमांचक जीत दर्ज की। इस जीत के साथ ट्राइडेंट्स ने प्लेआफ में जगह पक्की कर ली। बेहतर नेट रन रेट के आधार पर जमैका भी चौथी टीम के रूप में प्लेआफ में पहुंच गई।

मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए जमैका ने 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 150 रन बनाए। जवाब में बारबाडोस ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 151 रन बनाते हुए जीत अपने नाम की। 151 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए बारबाडोस की शुरुआत खराब रही और टीम ने पावरप्ले में 36 रन पर 3 विकेट खो दिए। जैकरी कार्टर 03, ब्रैंडन किंग 18 और रिवाल्डो क्लार्क एक रन पर आउट होकर टीम की मुश्किलें बढ़ा गए। इसके बाद सैड्रैक डेसकार्टे और क्विंटन डी काक ने पारी को संभालने की कोशिश की। हालांकि, डी काक 14 रन बनाकर आउट हो गए। शेरफेन रदरफोर्ड भी 5 रन बनाकर दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से रन आउट हुए।

76/5 के स्कोर पर बारबाडोस की पारी संकट में नजर आ रही थी, लेकिन डेसकार्टे ने आक्रामक अंदाज अपनाया और कुछ बड़े शाट लगाते हुए अपना अर्धशतक पूरा किया। डेसकार्टे 17वें ओवर की शुरुआत में आंद्रे रशेल की गेंद पर आउट हुए। इसके बाद डेनियल सैम्स 5 और क्रिस ग्रीन 17 रन की उपयोगी पारी खेलकर आउट हुए। बारबाडोस को आखिरी ओवर में 17 रन चाहिए थे।

आखिरी ओवर में गुडाकेश मोती ने पहले चौका और फिर एक छक्का जड़ दिया। आखिरी दो गेंदों पर जीत के लिए दो रन चाहिए थे, जो बाबाडोस ने बनाते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। गुडाकेश मोती 8 गेंदों में 2 चौके और एक छक्का लगाकर नाबाद 17 रन बनाए।

इससे पहले जमैका किंग्समेन ने 150 रन का स्कोर खड़ा किया। टीम के लिए सबसे ज्यादा रन माज सदाकत ने बनाए, जिन्होंने 34 गेंदों में 3 चौके और 2 छक्कों की मदद से 47 रन का पारी खेली। सदाकत के अलावा उस्मान खान 18 रन, हसन खान 16 रन,केसी कार्टी15 रन, किर्क मैकेंजी 11 आंद्रेस रसेल 10 और कप्तान रोवमैन पावेल ने 8 रन का योगदान दिया।

क्रिकेट के बाद अब टीवी पर रोहित शर्मा की नई पारी, नान-कमिटल टी-शर्ट ने मचाई हलचल

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा अब क्रिकेट के मैदान से निकलकर छोटे पर्दे पर नई पारी शुरू करने जा रहे हैं। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी, शांत कप्तानी और मजाकिया अंदाज के लिए मशहूर रोहित अब पहली बार टीवी होस्ट की भूमिका में नजर आएंगे। उनका नया गेम शो फैमिली फुल हाउस 19 सितंबर 2026 से सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव पर प्रसारित होने जा रहा है।

शो के सेट से सामने आई पहली झलक और पर्दे के पीछे के वीडियो ने प्रशंसकों की उत्सुकता बढ़ा दी है। शो के सेट पर रोहित के लिए खास लाउंज तैयार किया गया है, जिसे उनके क्रिकेट करियर की यादों से सजाया गया है। लाउंज की दीवार पर उनकी 45 नंबर की मशहूर जर्सी फ्रेम करके लगाई गई है। वहीं एक प्रमुख दीवार पर उनके चर्चित उपनाम हिटमैन को उकेरा गया है। एक शेल्फ पर उनका पसंदीदा बल्ला और हेलमेट भी रखा गया है।

पूरे लाउंज को भारतीय क्रिकेट टीम से जुड़े गहरे नीले रंग में डिजाइन किया गया है। यह सेट रोहित के क्रिकेट सफर और उनके नए टेलीविजन अवतार के बीच खास कड़ी बनाता है। हालांकि शो के सेट से सामने आए एक वीडियो ने मनोरंजन से ज्यादा क्रिकेट प्रशंसकों का ध्यान खींच लिया है। वीडियो में रोहित सफेद टी-शर्ट पहने नजर आ रहे हैं, जिस पर अंग्रेजी में नान-कमिटल लिखा हुआ है। इसके बाद सोशल मीडिया पर इस शब्द को लेकर चर्चाएं शुरू हो गईं। कई प्रशंसक इसे भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर के पुराने बयान से जोड़कर देख रहे हैं। दरअसल, अक्टूबर 2025 में रोहित शर्मा और विराट कोहली के 2027 वनडे विश्व कप में खेलने को लेकर सवाल पूछे जाने पर अजीत अगरकर ने दोनों खिलाड़ियों की स्थिति को नान-कमिटल बताया था। अब रोहित की टी-शर्ट पर यही शब्द दिखाई देने के बाद कुछ प्रशंसकों ने इसे अगरकर के बयान पर परोक्ष प्रतिक्रिया या मजाकिया जवाब माना है।

हालांकि रोहित शर्मा की ओर से इस टी-शर्ट के संदेश को लेकर कोई आधिकारिक स्पष्टीकरण सामने नहीं आया है। क्रिकेट से टेलीविजन तक का यह सफर रोहित के लिए बिल्कुल नया अनुभव है। मैदान पर गेंदबाजों और विपक्षी टीम की रणनीति को समझने वाले रोहित अब स्टूडियो में दर्शकों का मूड समझकर उन्हें मनोरंजन से जोड़े रखने की चुनौती संभालेंगे।

उनकी स्वाभाविक हाजिरजवाबी और हास्यपूर्ण अंदाज को देखते हुए शो में उनका एक अलग रूप देखने को मिल सकता है। फैमिली फुल हाउस के जरिए रोहित शर्मा पहली बार क्रिकेट से अलग अपनी प्रस्तुति क्षमता दिखाते नजर आएंगे।